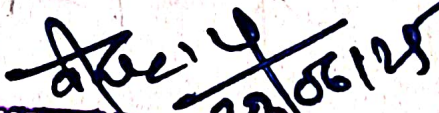


20.06.25 पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समय में अधिवक्ता
वादीगण एवं वादीगण के नाम से अलग-
अलग समय पर तीन बार आवाज दिवाई
गई। कोई उपस्थित नहीं।

इससे स्पष्ट होता है कि अधिवक्ता वादीगण
एवं स्वयं वादीगण अपने वाद को लेकर
गंभीर नहीं हैं।

लिहाजा वादीगण का वाद 'अदम पेखी'
व 'अदम टाजिरी' में इसी स्तर पर खारिज
किया जाता है।

पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दारिखत दफ़्तर
हो व नंबर से कम हो।


सहायक कलक्टर
(SDO), बाड़मेर